भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

03.07.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1978 का उत्तर

रेल परियोजनाओं के प्रस्ताव

1978. श्री कनकमल कटाराः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या समय पर रेल परियोजनाओं के पूरा न होने के कारण इन परियोजनाओं की लागत में वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो आज की तिथि के अनुसार उक्त परियोजनाओं को पूरा होने में देरी के कारण कितनी परियोजनाओं की लागत में वृद्धि हुई है और परियोजनाओं की लागत वृद्धि का परियोजना-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) परियोजनाओं को पूरा करने में देरी के क्या कारण हैं और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ग): इस समय, 491 रेल परियोजनाएं निष्पादन/नियोजन/स्वीकृति के विभिन्न चरणों में हैं जिनमें 189 नई लाइन, 55 आमान परिवर्तन और 247 दोहरीकरण परियोजनाएं हैं। इन परियोजनाओं की कुल लंबाई 48861 कि.मी. और लागत 6.48 लाख करोड़ रुपए है। मार्च 2019 तक इन परियोजनाओं के लिए किया गया कुल व्यय 1.43 लाख करोड़ रुपए है और यातायात के लिए चालू लंबाई 9113 किलोमीटर है।

sk

बिना लागत वृद्धि के रेलवे परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए राज्य सरकार के माध्यम से भूमि का तेजी से और समय पर अधिग्रहण करने, जनोपयोगी सुविधाओं के अंतरण, विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों आदि की जरूरत होती है और इसे हासिल करने के लिए रेलवे द्वारा राज्य सरकार और केंद्र सरकार के संबंधित पदाधिकारियों के साथ समय पर भूमि अधिग्रहण, जनोपयोगी सुविधाओं के अंतरण, वन एवं वन्य जीव स्वीकृतियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों के संबंध में नियमित बैठकें आयोजित की जाती हैं।

महत्वपूर्ण परियोजनाओं, क्षमता संवर्धन संबंधी परियोजनाओं, अंतिम स्थान संपर्कता आदि के लिए मैसर्स भारतीय जीवन बीमा निगम लिमिटेड से 1.5 लाख करोड़ रु. के ऋण द्वारा संस्थागत वित्तीपोषण की व्यवस्था की गई है जिससे अनिवार्य परियोजनाओं के लिए प्रतिबद्ध निधि व्यवस्था से रेलवे की क्षमता में वृद्धि हुई है।

*****

sk